वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर उत्तर प्रदेश



समाचार पत्रों में प्रकाशित ख़बरें

दिनांक: 5 अक्टूबर 2026

प्रस्तुति: मीडिया सेल

दैनिक जागरण

अजय यादव।

पूर्व कुलपति प्रो. वंदना सिंह के वैश्विक रैंकिंग में मिला स्थान

जागरण संवाददाता, मल्हनी (जौनपुर): पूर्वांचल विश्वविद्यालय के लिए शोध के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि सामने आई है। विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति प्रो. वंदना सिंह समेत 12 शिक्षकों ने स्कालरली इंडेक्स की टाप-1000 स्कालर 2026 की वैश्विक रैंकिंग में स्थान हासिल किया है। प्रो. वंदना सिंह ने दो शोध विषयों में विश्व स्तर पर उल्लेखनीय रैंक प्राप्त कर विश्वविद्यालय की शोध उपलब्धियों को नई पहचान दिलाई है।

सूक्ष्मतरंग-सहायित संश्लेषण एवं अनुप्रयोग विषय में प्रो. वंदना सिंह की विश्व रैंक 202वीं व भारत में रैंक 34वीं रही। वह इस विषय के दुनिया के शीर्ष 2.2 प्रतिशत शोधकर्ताओं में शामिल हैं। बहुशर्करा संरचना एवं अनुप्रयोग में उनकी विश्व रैंक 564वीं और भारत में 28 वीं रही। इस विषय में वह दुनिया के शीर्ष 2.1 प्रतिशत शोधकर्ताओं में शामिल हैं। रैंकिंग में प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. राजकुमार, प्रो. संदीप कुमार सिंह, प्रो. नूपुर गोयल, डा. मिथिलेश यादव, डा. अजीत सिंह, डा. विक्रांत भटेजा, डा. आशीष वर्मा, डा. राम नरेश डा. दीपक कुमार मौर्य, डा. राम नारायण व डा. पारुल भी शामिल हैं। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में स्थान मिलना गौरव की बात है।

दैनिक जागरण

छात्रों ने लिया स्वच्छता व नशामुक्ति का संकल्प

जागरण संवाददाता, मल्हनी (जौनपुर): पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान के तहत रविवार को सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न छात्रावासों में स्वच्छता, पौधारोपण व नशामुक्ति अभियान चलाकर विद्यार्थियों को सामाजिक उत्तरदायित्वों से जोड़ा गया। छात्र-छात्राओं ने परिसर को स्वच्छ, सुंदर और हरा-भरा बनाए रखने का संकल्प लेते हुए पौधारोपण किया।

कार्यक्रम के संयोजक व अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पीके यादव ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के भीतर स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और



सामाजिक सेवा की भावना को मजबूत करना है। विश्वविद्यालय परिसर को स्वच्छ व हरित रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

श्रीनिवास रामानुजन छात्रावास में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर ने विद्यार्थियों को स्वच्छता और पौधों की देखरेख का महत्व बताया। वहीं, चरक छात्रावास के विद्यार्थियों ने परिसर के बाहर पौधारोपण किया। मुख्य वार्डन प्रो. अविनाश डी. पाथर्डीकर ने कहा कि स्वस्थ जीवन की पहली शर्त स्वच्छ वातावरण है।

विश्वकर्मा छात्रावास में नशामुक्ति संकल्प के साथ पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने नशे से दूर रहने की शपथ ली और आकर्षक पोस्टरों के माध्यम से इसके सामाजिक व शारीरिक दुष्प्रभावों को उजागर किया। मुख्य कुलानुशासक प्रो. अजय प्रताप सिंह ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि नशा स्वास्थ्य और भविष्य दोनों को तबाह करता है। इस दौरान वार्डन डा. सुशील कुमार, डा. विशाल यादव, डा. नितेश जायसवाल, डा. सुनील यादव, डा. अनु त्यागी रहे।

अमर उजाला

पूविवि : अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में 12 शिक्षक शामिल, शोध के दम पर बनाई पहचान

संवाद न्यूज एजेंसी

स्कॉलरली इंडेक्स की आधिकारिक वेबसाइट ने टॉप-1000 सूची में किया शामिल, कुलपति ने दी बधाई

मल्हनी। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 12 शिक्षकों ने शोध दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। स्कॉलरली इंडेक्स की अधिकारिक वेबसाइट ने टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में विश्वविद्यालय के इन शिक्षकों को जगह मिली है। शोध प्रकाशन, उद्धरण, एच-इंडेक्स, डी-इंडेक्स और शोध के प्रभाव जैसे मानकों पर तैयार की गई सूची में यह स्थान पाना शोध कार्यों की अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता को दर्शाता है।

रैंकिंग में स्थान बनाने वाले शिक्षकों में प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. राजकुमार, प्रो. संदीप कुमार सिंह, प्रो. नूपुर गोयल, डॉ. मिथिलेश यादव, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. विक्रांत भटेजा, डॉ. आशीष वर्मा, डॉ. राम नरेश यादव, डॉ. दीपक कुमार मौर्य, डॉ. राम नारायण और डॉ. पारुल त्रिवेदी शामिल हैं।

स्कॉलरली इंडेक्स की ओर से जारी रैंकिंग में शोध की गुणवत्ता, प्रासंगिकता, प्रभाव और अकादमिक जगत में उसकी स्वीकार्यता को भी महत्व दिया जाता है। ऐसे में विश्वविद्यालय के 12 शिक्षकों का टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में शामिल होना संस्थान में बढ़ती शोध गतिविधियों और गुणवत्तापूर्ण अकादमिक कार्यों को दर्शाता है। इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने चयनित शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की यह अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि पूरे विश्वविद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है।

शोध, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि शिक्षकों की यह वैश्विक पहचान विद्यार्थियों और युवा शोधार्थियों को बेहतर शोध के लिए प्रेरित करेगी। कुलपति ने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की पहचान उसके शिक्षकों की शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध उपलब्धियों और ज्ञान के क्षेत्र में योगदान से होती है। अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शिक्षकों की उपलब्धि विश्वविद्यालय में विकसित हो रहे सकारात्मक शोध वातावरण और अकादमिक उत्कृष्टता का परिचायक है।

अमर उजाला

पीयू में चला स्वच्छता, वृक्षारोपण और नशामुक्ति अभियान

संवाद न्यूज एजेंसी

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत रविवार को 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके तहत विभिन्न छात्रावासों में स्वच्छता, वृक्षारोपण और नशामुक्ति से जुड़े कार्यक्रम हुए।

विद्यार्थियों ने परिसर को स्वच्छ और हरा-भरा रखने के साथ नशे से दूर रहने का संकल्प लिया। श्रीनिवास रामानुजन छात्रावास में स्वच्छता और पौधरोपण अभियान चलाया गया। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर ने विद्यार्थियों को स्वच्छता और पौधों के संरक्षण के प्रति जागरूक किया। चरक छात्रावास के विद्यार्थियों ने परिसर के बाहर पौधे लगाए। चीफ वार्डन प्रो. अविनाश डी. पाथर्डीकर ने कहा कि स्वच्छ वातावरण स्वस्थ जीवन के लिए जरूरी है। महिला छात्रावास में भी छात्राओं को स्वच्छता और



पीयू में 'सेवा मेरा योगदान'' के तहत स्वच्छता अभियान चलाते विद्यार्थी। पूविवि

छात्रावासों में विद्यार्थियों ने पौधे रोपे, नशे से दूर रहने का लिया संकल्प

पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। विश्वकर्मा छात्रावास में नशामुक्ति संकल्प और पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित हुई। विद्यार्थियों ने नशे से दूर रहने का संकल्प लेते हुए पोस्टर के माध्यम से इसके दुष्प्रभावों को दर्शाया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद यादव ने विद्यार्थियों को नशे से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक किया। मुख्य कुलानुशासक प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि नशा स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, इसलिए विद्यार्थियों को इससे दूर रहना चाहिए। कार्यक्रम में वार्डन डॉ. सुशील कुमार, डॉ. विशाल यादव, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. सुनील यादव, डॉ. अनु त्यागी, डॉ. कृष्णा सिंह, डॉ. निमिषा यादव और डॉ. जया शुक्ला मौजूद रहे।

हिंदुस्तान

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में 12 शिक्षकों ने बनाई जगह

शैक्षणिक गुणवत्ता एवं शोध उत्कृष्टता के लिए मिली उपलब्धि

पीयू

- स्कॉलरली इंडेक्स की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग जारी
- कुलपति प्रो. राकेश सिंह ने चयनित सभी शिक्षकों को दी शुभकामनाएं

जौनपुर, संवाददाता। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर के 12 शिक्षकों ने अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग संस्था स्कॉलरली इंडेक्स की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं शोध उत्कृष्टता को वैश्विक पहचान दिलाई है। यह उपलब्धि शिक्षकों के निरंतर शोध प्रयासों, अकादमिक प्रतिबद्धता और ज्ञान सृजन के क्षेत्र में योगदान है।

स्कॉलरली इंडेक्स द्वारा जारी यह अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग शोधकर्ताओं के शोध प्रकाशनों, उद्धरणों, एच-इंडेक्स, डी-इंडेक्स तथा समग्र शोध प्रभाव जैसे महत्वपूर्ण मानकों के आधार पर निर्धारित की जाती है। इस रैंकिंग में न केवल शोध प्रकाशनों की संख्या, बल्कि शोध की गुणवत्ता, प्रासंगिकता, प्रभावशीलता और अंतरराष्ट्रीय अकादमिक जगत में उसकी स्वीकार्यता को भी महत्व दिया जाता है। ऐसे प्रतिष्ठित वैश्विक मंच पर विश्वविद्यालय के 12 शिक्षकों का स्थान प्राप्त करना संस्थान की बढ़ती शोध क्षमता, अकादमिक सक्रियता और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षकों की यह अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि पूरे विश्वविद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है।

यह सफलता शोध, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की निरंतर प्रगति को दर्शाती है।

ये शिक्षक हुए शामिल

स्कॉलरली इंडेक्स की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में स्थान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. राजकुमार, प्रो. संदीप कुमार सिंह, प्रो. नूपुर गोयल, डॉ. मिथिलेश यादव, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. विक्रांत भटेजा, डॉ. आशीष वर्मा, डॉ. राम नरेश यादव, डॉ. दीपक कुमार मौर्य, डॉ. राम नारायण एवं डॉ. पारुल त्रिवेदी शामिल हैं।

आज

जौनपुर

पीयू के १२ शिक्षकों ने अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बनायी जगह

स्कालरली इंडेक्स की प्रतिष्ठित टाप-एक हजार स्कालर रैंकिंग में शामिल

शोध व अकादमिक उत्कृष्टता का वैश्विक सम्मान, वाइसचांसलर ने दी बधाई

सरायख्वाजा। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के लिए यह अत्यंत गौरव और हर्ष का विषय है कि विश्वविद्यालय परिसर के 12 शिक्षकों ने अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग संस्था स्कॉलरली इंडेक्स की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं शोध उत्कृष्टता को वैश्विक पहचान दिलाई है। यह उपलब्धि शिक्षकों के निरंतर शोध प्रयासों, अकादमिक प्रतिबद्धता और ज्ञान सृजन के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान का प्रमाण है।

स्कॉलरली इंडेक्स द्वारा जारी यह अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग शोधकर्ताओं के शोध प्रकाशनों, उद्धरणों, एच-इंडेक्स, डी-इंडेक्स तथा समग्र शोध प्रभाव जैसे महत्वपूर्ण मानकों के आधार पर निर्धारित की जाती है। इस रैंकिंग में न केवल शोध प्रकाशनों की संख्या, बल्कि शोध की गुणवत्ता, प्रासंगिकता, प्रभावशीलता और अंतरराष्ट्रीय अकादमिक जगत में उसकी स्वीकार्यता को भी महत्व दिया जाता है। ऐसे प्रतिष्ठित वैश्विक मंच पर विश्वविद्यालय के 12 शिक्षकों का स्थान प्राप्त करना संस्थान की बढ़ती शोध क्षमता, अकादमिक सक्रियता और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी चयनित शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शिक्षकों की यह अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि पूरे विश्वविद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। यह सफलता शोध, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की निरंतर प्रगति को दर्शाती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शिक्षकों की यह वैश्विक पहचान विद्यार्थियों एवं युवा शोधार्थियों को उत्कृष्ट शोध कार्य करने के लिए प्रेरित करेगी तथा विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कुलपति ने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की वास्तविक पहचान उसके शिक्षकों की शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध उपलब्धियों और समाज के लिए किए गए ज्ञानपरक योगदान से स्थापित होती है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शिक्षकों की भागीदारी विश्वविद्यालय में विकसित हो रहे सकारात्मक शोध वातावरण और अकादमिक उत्कृष्टता का परिचायक है। स्कॉलरली इंडेक्स की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में स्थान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. राजकुमार, प्रो. संदीप कुमार सिंह, प्रो. नूपुर गोयल, डॉ. मिथिलेश यादव, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. विक्रांत भटेजा, डॉ. आशीष वर्मा, डॉ. राम नरेश यादव, डॉ. दीपक कुमार मौर्य, डॉ. राम नारायण एवं डॉ. पारुल त्रिवेदी शामिल हैं। विश्वविद्यालय के इन शिक्षकों की उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत अकादमिक एवं शोध कौशल का सम्मान है, बल्कि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की बढ़ती वैश्विक शैक्षणिक प्रतिष्ठा का भी प्रतीक है।

कौटिल्य का भारत

पीयू के 12 शिक्षकों ने अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बनाई जगह

स्कॉलरली इंडेक्स की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में शामिल हुए 12 शिक्षक

कौटिल्य का भारत



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के लिए यह अत्यंत गौरव और हर्ष का विषय है कि विश्वविद्यालय परिसर के 12 शिक्षकों ने अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग संस्था स्कॉलरली इंडेक्स की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं शोध उत्कृष्टता को वैश्विक पहचान दिलाई है। यह उपलब्धि शिक्षकों के निरंतर शोध प्रयासों, अकादमिक प्रतिबद्धता और ज्ञान सृजन के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान का प्रमाण है। स्कॉलरली इंडेक्स द्वारा जारी यह अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग शोधकर्ताओं के शोध प्रकाशनों, उद्धरणों, एच-इंडेक्स, डी-इंडेक्स तथा समग्र शोध प्रभाव जैसे महत्वपूर्ण मानकों के आधार पर निर्धारित की जाती है। इस रैंकिंग में न केवल शोध प्रकाशनों की संख्या, बल्कि शोध की गुणवत्ता, प्रासंगिकता, प्रभावशीलता और अंतरराष्ट्रीय अकादमिक जगत में उसकी स्वीकार्यता को भी महत्व दिया जाता है। ऐसे प्रतिष्ठित वैश्विक मंच पर विश्वविद्यालय के 12 शिक्षकों का स्थान प्राप्त करना संस्थान की बढ़ती शोध क्षमता, अकादमिक सक्रियता और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी चयनित शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

जनसंदेश टाइम्स

पीयू में सेवा मेरा योगदान के तहत पौधरोपण अभियान

कार्यक्रम

छात्रावास में चला स्वच्छता अभियान, विद्यार्थियों ने लिया परिसर में हरियाली का संकल्प



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम का आयोजन रविवार को किया गया। इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय के छात्रावास परिसर में स्वच्छता एवं पौधरोपण अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर फलदार एवं अन्य उपयोगी पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में छात्रावास के विद्यार्थियों एवं छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान उन्हें स्वच्छता के महत्व, पर्यावरण संरक्षण तथा पौधों के रखरखाव के प्रति जागरूक किया गया।

सेवा संकल्प अभियान के संयोजक व अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षों के प्रति जिम्मेदारी और सामाजिक सेवा की भावना विकसित करना रहा। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि विश्वविद्यालय को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाए रखना केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी एवं विश्वविद्यालय परिवार की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर श्रीनिवास रामानुजन छात्रावास में आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर ने सेवा मेरा योगदान अभियान के अंतर्गत छात्रावास परिसर में स्वच्छता एवं पौधरोपण के महत्व पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने स्वच्छ एवं हरित परिसर के निर्माण में विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता को महत्वपूर्ण बताया। इसी क्रम में चरक छात्रावास के विद्यार्थियों ने छात्रावास के बाहर पौधरोपण किया। इस अवसर पर चीफ वार्डन प्रो अविनाश पाथर्डीकर ने भी विद्यार्थियों को पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व को बताया। इसी क्रम में महिला छात्रावास में भी स्वच्छता एवं पौधरोपण के प्रति छात्राओं को जागरूक किया गया। चीफ वार्डन प्रो. अविनाश डी. पाथर्डीकर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छ वातावरण स्वस्थ जीवन के लिए आवश्यक है। इसी क्रम में विश्वकर्मा छात्रावास में नशा मुक्ति संकल्प और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया विद्यार्थियों ने नशा न करने का संकल्प लिया और उस पोस्टर के माध्यम से भी प्रदर्शित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने कहा कि सभी विद्यार्थियों को नशे और उसके दुष्प्रभाव की चर्चा और उससे दूर रहने की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं मुख्य कुलानुशासक प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा की नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, इसलिए हमें नशे से दूर रहना चाहिए। इस अवसर वार्डन डॉ. सुशील कुमार, डॉ. विशाल यादव, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. सुनील यादव, डॉ. अनु त्यागी, डॉ. कृष्णा सिंह, डॉ. निमिषा यादव, डॉ. जया शुक्ला विद्यार्थियों के साथ उपस्थित रहे।

जौनपुर धारा

पीयू के 12शिक्षकों ने अन्तर्राष्ट्रीय टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में बनाई जगह

शोध और अकादमिक योगदान के आधार पर मिली वैश्विक पहचान, कुलपति ने दी बधाई

जौनपुर धारा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 12 शिक्षकों ने स्कॉलरली इंडेक्स की टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में स्थान हासिल किया है। विश्वविद्यालय ने इसे शिक्षकों के शोध कार्य और अकादमिक योगदान की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान बताया है।

बताया गया कि स्कॉलरली इंडेक्स की रैंकिंग शोध प्रकाशन, उद्धरण, एच-इंडेक्स, डी-इंडेक्स और समग्र शोध प्रभाव जैसे मानकों के आधार पर तैयार की जाती है। विश्वविद्यालय के 12 शिक्षकों का इसमें शामिल होना संस्थान में शोध गतिविधियों और अकादमिक कार्यों को लेकर उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने चयनित शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की यह सफलता शोध, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की प्रगति को दर्शाती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इससे विद्यार्थी और युवा शोधार्थी भी गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए प्रेरित होंगे। रैंकिंग में स्थान पाने वाले शिक्षकों में प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. राजकुमार, प्रो. संदीप कुमार सिंह, प्रो. नूपुर गोयल, डॉ. मिथिलेश यादव, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. विक्रांत भटेजा, डॉ. आशीष वर्मा, डॉ. राम नरेश यादव, डॉ. दीपक कुमार मौर्य, डॉ. राम नारायण और डॉ. पारुल त्रिवेदी शामिल हैं।

जौनपुर धारा

पीयू में स्वच्छता, वृक्षारोपण और नशामुक्ति अभियान चला

छात्रावासों में विद्यार्थियों ने की सफाई, पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

जौनपुर धारा

जौनपुर। वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में रविवार को 'सेवा संकल्प अभियान-2026' के तहत 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत विभिन्न छात्रावासों में स्वच्छता, वृक्षारोपण और नशामुक्ति को लेकर जागरूकता कार्यक्रम हुए। विद्यार्थियों ने परिसर में पौधे रोपने के साथ उनके संरक्षण का संकल्प लिया।



श्रीनिवास रामानुजन छात्रावास में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष प्रो.रजनीश भास्कर ने विद्यार्थियों को स्वच्छता और पौधरोपण के महत्व की जानकारी दी। चरक छात्रावास में विद्यार्थियों ने परिसर के बाहर पौधे लगाए।

मुख्य वार्डन प्रो.अविनाश डी.पाथर्डीकर ने पर्यावरण संरक्षण के लिए विद्यार्थियों की सहभागिता को आवश्यक बताया।

महिला छात्रावास में भी छात्राओं को स्वच्छता और वृक्षारोपण के प्रति जागरूक किया गया। विश्वकर्मा छात्रावास में नशामुक्ति संकल्प और पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित हुई।

विद्यार्थियों ने नशे से दूर रहने का संकल्प लिया।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक रहने की अपील की। मुख्य कुलानुशासक प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि नशा स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, इसलिए इससे दूरी जरूरी है। कार्यक्रम में विभिन्न छात्रावासों के वार्डन और शिक्षक विद्यार्थियों के साथ मौजूद रहे।

उत्तर शक्ति

पीयू के 12 शिक्षकों ने अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बनाई जगह

स्कॉलरली इंडेक्स की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में शामिल हुए 12 शिक्षक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के लिए यह अत्यंत गौरव और हर्ष का विषय है कि विश्वविद्यालय परिसर के 12 शिक्षकों ने अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग संस्था स्कॉलरली इंडेक्स की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं शोध उत्कृष्टता को वैश्विक पहचान दिलाई है। यह उपलब्धि शिक्षकों के निरंतर शोध प्रयासों, अकादमिक प्रतिबद्धता और ज्ञान सृजन के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान का प्रमाण है।

स्कॉलरली इंडेक्स द्वारा जारी यह अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग शोधकर्ताओं के शोध प्रकाशनों, उद्धरणों, एच-इंडेक्स, डी-इंडेक्स तथा समग्र शोध प्रभाव जैसे महत्वपूर्ण मानकों के आधार पर निर्धारित की जाती है। इस रैंकिंग में न केवल शोध प्रकाशनों की संख्या, बल्कि शोध की गुणवत्ता, प्रासंगिकता, प्रभावशीलता और अंतरराष्ट्रीय अकादमिक जगत में उसकी स्वीकार्यता को भी महत्व दिया जाता है। ऐसे प्रतिष्ठित वैश्विक मंच पर विश्वविद्यालय के 12 शिक्षकों का स्थान प्राप्त करना संस्थान की बढ़ती शोध क्षमता, अकादमिक सक्रियता और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी चयनित शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शिक्षकों की यह अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि पूरे विश्वविद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। यह सफलता शोध, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की निरंतर प्रगति को दर्शाती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शिक्षकों की यह वैश्विक पहचान विद्यार्थियों एवं युवा शोधार्थियों को उत्कृष्ट शोध कार्य करने के लिए प्रेरित करेगी तथा विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

शोध एवं अकादमिक उत्कृष्टता का वैश्विक सम्मान, कुलपति ने दी बधाई

कुलपति ने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की वास्तविक पहचान उसके शिक्षकों की शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध उपलब्धियों और समाज के लिए किए गए ज्ञानपरक योगदान से स्थापित होती है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शिक्षकों की भागीदारी विश्वविद्यालय में विकसित हो रहे सकारात्मक शोध वातावरण और अकादमिक उत्कृष्टता का परिचायक है।

स्कॉलरली इंडेक्स की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में स्थान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. राजकुमार, प्रो. संदीप कुमार सिंह, प्रो. नूपुर गोयल, डॉ. निखिलेश यादव, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. विक्रांत भटेजा, डॉ. आशीष वर्मा, डॉ. राम नरेश यादव, डॉ. दीपक कुमार मौर्य, डॉ. राम नारायण एवं डॉ. पारुल त्रिवेदी शामिल हैं।

विश्वविद्यालय के इन शिक्षकों की उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत अकादमिक एवं शोध कौशल का सम्मान है, बल्कि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की बढ़ती वैश्विक शैक्षणिक प्रतिष्ठा का भी प्रतीक है।

पूर्वांचल लाइफ

पीयू के 12 शिक्षकों ने अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बनाई जगह

- **स्कॉलरली इंडेक्स की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में शामिल हुए 12 शिक्षक**
- **शोध एवं अकादमिक उत्कृष्टता का वैश्विक सम्मान, कुलपति ने दी बधाई**



पूर्वांचल लाइफ जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के लिए यह अत्यंत गौरव और हर्ष का विषय है कि विश्वविद्यालय परिसर के 12 शिक्षकों ने अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग संस्था स्कॉलरली इंडेक्स की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं शोध उत्कृष्टता को वैश्विक पहचान दिलाई है। यह उपलब्धि शिक्षकों के निरंतर शोध प्रयासों, अकादमिक प्रतिबद्धता और ज्ञान सृजन के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान का प्रमाण है। स्कॉलरली इंडेक्स द्वारा जारी यह अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग शोधकर्ताओं के शोध प्रकाशनों, उद्धरणों, एच-इंडेक्स, डी-इंडेक्स तथा समग्र शोध प्रभाव जैसे महत्वपूर्ण मानकों के आधार पर निर्धारित की जाती है। इस रैंकिंग में न केवल शोध प्रकाशनों की संख्या, बल्कि शोध की गुणवत्ता, प्रासंगिकता, प्रभावशीलता और अंतरराष्ट्रीय अकादमिक जगत में उसकी स्वीकार्यता को भी महत्व दिया जाता है। ऐसे प्रतिष्ठित वैश्विक मंच पर विश्वविद्यालय के 12 शिक्षकों का स्थान प्राप्त करना संस्थान की बढ़ती शोध क्षमता, अकादमिक सक्रियता और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी चयनित शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शिक्षकों की यह अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि पूरे विश्वविद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। यह सफलता शोध, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की निरंतर प्रगति को दर्शाती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शिक्षकों की यह वैश्विक पहचान विद्यार्थियों एवं युवा शोधार्थियों को उत्कृष्ट शोध कार्य करने के लिए प्रेरित करेगी तथा विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कुलपति ने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की वास्तविक पहचान उसके शिक्षकों की शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध उपलब्धियों और समाज के लिए किए गए ज्ञानपरक योगदान से स्थापित होती है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शिक्षकों की भागीदारी विश्वविद्यालय में विकसित हो रहे सकारात्मक शोध वातावरण और अकादमिक उत्कृष्टता का परिचायक है। स्कॉलरली इंडेक्स की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में स्थान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव. प्रो. राजकुमार, प्रो. संदीप कुमार सिंह, प्रो. नूपुर गोयल, डॉ. मिथिलेश यादव, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. विक्रांत भटेजा, डॉ. आशीष वर्मा, डॉ. राम नरेश यादव, डॉ. दीपक कुमार मौर्य, डॉ. राम नारायण एवं डॉ. पारुल त्रिवेदी शामिल हैं। विश्वविद्यालय के इन शिक्षकों की उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत अकादमिक एवं शोध कौशल का सम्मान है, बल्कि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की बढ़ती वैश्विक शैक्षणिक प्रतिष्ठा का भी प्रतीक है।

पूर्वांचल लाइफ

पीयू में 'सेवा मेरा योगदान' के तहत नशामुक्ति एवं वृक्षारोपण अभियान

छात्रावास में चला स्वच्छता अभियान, विद्यार्थियों ने लिया परिसर में हरियाली का संकल्प

पूर्वांचल लाइफ



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में 'सेवा संकल्प अभियान-2026' के अंतर्गत 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम का आयोजन रविवार को किया गया। इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय के छात्रावास परिसर में स्वच्छता एवं वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर फलदार एवं अन्य उपयोगी पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में छात्रावास के विद्यार्थियों एवं छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान उन्हें स्वच्छता के महत्व, पर्यावरण संरक्षण तथा पौधों के रखरखाव के प्रति जागरूक किया गया।सेवा संकल्प अभियान के संयोजक व अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षों के प्रति जिम्मेदारी और सामाजिक सेवा की भावना विकसित करना रहा। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि विश्वविद्यालय को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाए रखना केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी एवं विश्वविद्यालय परिवार की सामूहिक जिम्मेदारी है।इस अवसर पर श्रीनिवास रामानुजन छात्रावास में आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर ने 'सेवा मेरा योगदान' अभियान के अंतर्गत छात्रावास परिसर में स्वच्छता एवं वृक्षारोपण के महत्व पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने स्वच्छ एवं हरित परिसर के निर्माण में विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता को महत्वपूर्ण बताया।इसी क्रम में चरक छात्रावास के विद्यार्थियों ने छात्रावास के बाहर वृक्षारोपण किया । इस अवसर पर चीफ वार्डन प्रो अविनाश पाथर्डीकर ने भी विद्यार्थियों को पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व को बताया। इसी क्रम में महिला छात्रावास में भी स्वच्छता एवं वृक्षारोपण के प्रति छात्राओं को जागरूक किया गया। चीफ वार्डन प्रो. अविनाश डी. पाथर्डीकर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छ वातावरण स्वस्थ जीवन के लिए आवश्यक है। इसी क्रम में विश्वकर्मा छात्रावास में नशा मुक्ति संकल्प और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया विद्यार्थियों ने नशा न करने का संकल्प लिया और उस पोस्टर के माध्यम से भी प्रदर्शित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने कहा कि सभी विद्यार्थियों को नशे और उसके दुष्प्रभाव की चर्चा और उससे दूर रहने की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं मुख्य कुलानुशासक प्रो अजय प्रताप सिंह ने कहा की नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, इसलिए हमें नशे से दूर रहना चाहिए। इस अवसर वार्डन डॉ सुशील कुमार, डॉ विशाल यादव, डॉ नितेश जायसवाल, डॉ सुनील यादव, डॉ. अनु त्यागी, डॉ. कृष्णा सिंह, डॉ. निमिषा यादव, डॉ. जया शुक्ला विद्यार्थियों के साथ उपस्थित रहें।

ी स्वतंत्र कुमार के पक्ष में स्टेट मीडिया प्रिंटर्स, आराजी नंबर 661, परगना मौजा तरना, शिवपुर वाराणसी से मुद्रित तथा 47
, 8052940083, **RNI No. UP/HIN/ 2026/6518**, Email-Id:purvanchalife@gmail.com. **समस्त वि**

अमृत प्रभात

वैज्ञानिक सोच और सतत प्रबंधन से ही सुनिश्चित होगी जल सुरक्षा: प्रो. प्रफुल्ल सिंह

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में पृथ्वी, पर्यावरण एवं भविष्य विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

अमृत प्रभात, जौनपुर (नि.सं.)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के भू एवं ग्रहीय विज्ञान विभाग की ओर से ग्रापृथ्वी, पर्यावरण एवं भविष्यद्ध विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने जल सुरक्षा, भूजल संरक्षण, मृदा एवं पर्यावरण तथा पृथ्वी के भू-वैज्ञानिक विकास के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के मुख्य विशेषज्ञ वक्ता दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, गया के भूविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. प्रफुल्ल कुमार सिंह ने जल संसाधनों की वैश्विक एवं भारतीय स्थिति पर चर्चा करते हुए कहा कि जल जीवन, खाद्य सुरक्षा और पारिस्थितिक संतुलन का आधार है। उन्होंने बताया कि विश्व की लगभग 18 प्रतिशत आबादी भारत में निवास करती है, जबकि वैश्विक जल



संसाधनों में देश की हिस्सेदारी लगभग चार प्रतिशत है। बढ़ती आबादी, शहरीकरण, औद्योगीकरण, भूजल का अत्यधिक दोहन और जलवायु परिवर्तन जल संसाधनों पर दबाव बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्व में लगभग 2.3 अरब लोग जल संकट से प्रभावित क्षेत्रों में रह रहे हैं और वर्ष 2030 तक वैश्विक जल मांग उपलब्ध आपूर्ति से लगभग 40 प्रतिशत अधिक होने का अनुमान है। प्रो. सिंह ने जल सुरक्षा के लिए वर्षाजल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण और आधुनिक रिमोट सेंसिंग तकनीकों के उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भू-आकृति, भूमि उपयोग, जल निकासी, भूगर्भीय संरचना और वर्षा जैसे कारकों के समेकित अध्ययन से भूजल पुनर्भरण की संभावनाओं वाले क्षेत्रों की पहचान की जा सकती है। इससे जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण के लिए उपयुक्त स्थलों का वैज्ञानिक निर्धारण संभव है। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों से जल और पर्यावरण संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान तथा नवाचार को बढ़ावा देने का आह्वान किया। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. बी. पी. सिंह ने मृदा को पृथ्वी के जलवायु एवं पर्यावरणीय इतिहास का महत्वपूर्ण प्राकृतिक अभिलेख बताया। उन्होंने कहा कि मृदा के विभिन्न घटकों तथा ऑक्सीजन एवं कार्बन समस्थानिकों के अध्ययन से अतीत की जलवायु और पर्यावरणीय परिस्थितियों को समझा जा सकता है। उन्होंने भारतीय प्लेट के दक्षिणी गोलार्ध से उत्तरी दिशा में हुए भू-वैज्ञानिक संचलन तथा प्लेट विवर्तनिकी के संदर्भ में पृथ्वी के दीर्घकालिक विकास की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मृदा का निर्माण लंबी प्राकृतिक प्रक्रियाओं के माध्यम से होता है, इसलिए इसका संरक्षण और विवेकपूर्ण उपयोग सतत विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. आर.के. सिंह का संदेश अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद यादव ने पढ़कर सुनाया। विषय प्रवर्तन प्रो. प्रदीप कुमार ने किया तथा अतिथियों का स्वागत प्रो. मिथिलेश कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो. देवराज सिंह, प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. मिथिलेश यादव, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. विवेक पाण्डेय सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अंजू यादव ने किया तथा डॉ. नीरज अवस्थी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

उदय उत्तर

पीयू के 12 शिक्षकों ने अंतरराष्ट्रीय टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में बनाई जगह



जौनपुर / उदय उत्तर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय (पीयू) के 12 शिक्षकों ने अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग संस्था स्कॉलरली इंडेक्स की टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में स्थान हासिल किया है।इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय की शोध एवं अकादमिक उत्कृष्टता को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है।

स्कॉलरली इंडेक्स की यह रैंकिंग शोध प्रकाशनों, उद्धरण, एच-इंडेक्स, डी-इंडेक्स और समग्र शोध प्रभाव सहित विभिन्न अकादमिक मानकों के आधार पर तैयार की जाती है। रैंकिंग में शोध की गुणवत्ता, प्रासंगिकता और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसके प्रभाव को भी महत्व दिया जाता है।

इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने चयनित शिक्षकों को रविवार को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षकों की यह अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि पूरे विश्वविद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। इससे विद्यार्थियों और युवा शोधार्थियों को उत्कृष्ट शोध के लिए प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि किसी विश्वविद्यालय की पहचान उसके शिक्षकों की शैक्षणिक गुणवत्ता और शोध उपलब्धियों से स्थापित होती है।

टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में स्थान बनाने वालों में प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. राजकुमार, प्रो. संदीप कुमार सिंह, प्रो. नूपुर गोयल, डॉ. मिथिलेश यादव, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. विक्रांत भटेजा, डॉ. आशीष वर्मा, डॉ. राम नरेश यादव, डॉ. दीपक कुमार मौर्य, डॉ. राम नारायण और डॉ. पारुल त्रिवेदी शामिल हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, शिक्षकों की यह उपलब्धि उनके व्यक्तिगत शोध योगदान के साथ-साथ विश्वविद्यालय में विकसित हो रहे शोध वातावरण और अकादमिक सक्रियता को भी दशार्ती है।

वर्ल्डर् ट्रस्टेड न्यूज़

पीयू में 'सेवा मेरा योगदान' के तहत नशामुक्ति एवं वृक्षारोपण अभियान

छात्रावास में चला स्वच्छता अभियान, विद्यार्थियों ने लिया परिसर में हरियाली का संकल्प

वर्ल्ड ट्रस्टेड न्यूज

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम का आयोजन रविवार को किया गया। इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय के छात्रावास परिसर में स्वच्छता एवं वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर फलदार एवं अन्य उपयोगी पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में छात्रावास के विद्यार्थियों एवं छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान उन्हें स्वच्छता के महत्व, पर्यावरण संरक्षण तथा पौधों के रखरखाव के प्रति जागरूक किया गया।







सेवा संकल्प अभियान के संयोजक व अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षों के प्रति जिम्मेदारी और सामाजिक सेवा की भावना विकसित करना रहा। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि विश्वविद्यालय को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाए रखना केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी एवं विश्वविद्यालय परिवार की सामूहिक जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर श्रीनिवास रामानुजन छात्रावास में आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर ने सेवा मेरा योगदान अभियान के अंतर्गत छात्रावास परिसर में स्वच्छता एवं वृक्षारोपण के महत्व पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने स्वच्छ एवं हरित परिसर के निर्माण में विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता को महत्वपूर्ण बताया।

इसी क्रम में चरक छात्रावास के विद्यार्थियों ने छात्रावास के बाहर वृक्षारोपण किया । इस अवसर पर चीफ वार्डन प्रो अविनाश पाधड़ीकर ने भी विद्यार्थियों को पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व को बताया। इसी क्रम में महिला छात्रावास में भी स्वच्छता एवं वृक्षारोपण के प्रति छात्राओं को जागरूक किया गया।

चीफ वार्डन प्रो. अविनाश डी. पाधड़ीकर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छ वातावरण स्वस्थ जीवन के लिए आवश्यक है।

इसी क्रम में विश्वकर्मा छात्रावास में नशा मुक्ति संकल्प और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया विद्यार्थियों ने नशा न करने का संकल्प लिया और उस पोस्टर के माध्यम से भी प्रदर्शित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने कहा कि सभी विद्यार्थियों को नशे और उसके दुष्प्रभाव की चर्चा और उससे दूर रहने की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं मुख्य कुलानुशासक प्रो अजय प्रताप सिंह ने कहा की नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, इसलिए हमें नशे से दूर रहना चाहिए।

इस अवसर वार्डन डॉ सुशील कुमार, डॉ विशाल यादव, डॉ नितेश जायसवाल, डॉ सुनील यादव, डॉ. अनु त्यागी, डॉ. कृष्णा सिंह, डॉ. निमिषा यादव, डॉ. जया शुक्ला विद्यार्थियों के साथ उपस्थित रहें।

पीयू के 12 शिक्षकों ने अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बनाई जगह

स्कॉलरली इंडेक्स की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में शामिल हुए 12 शिक्षक

शोध एवं अकादमिक उत्कृष्टता का वैश्विक सम्मान, कुलपति ने दी बधाई

वर्ल्ड ट्रस्टेड न्यूज

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के लिए यह अत्यंत गौरव और हर्ष का विषय है कि विश्वविद्यालय परिसर के 12 शिक्षकों ने अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग संस्था स्कॉलरली इंडेक्स की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं शोध उत्कृष्टता को वैश्विक पहचान दिलाई है। यह उपलब्धि शिक्षकों के निरंतर शोध प्रयासों, अकादमिक प्रतिबद्धता और ज्ञान सृजन के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान का प्रमाण है।

स्कॉलरली इंडेक्स द्वारा जारी यह अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग शोधकर्ताओं के शोध प्रकाशनों, उद्धरणों, एच-इंडेक्स, जी-इंडेक्स तथा समग्र शोध प्रभाव जैसे महत्वपूर्ण मानकों के आधार पर निर्धारित की जाती है। इस रैंकिंग में न केवल शोध प्रकाशनों की संख्या, बल्कि शोध की गुणवत्ता, प्रासंगिकता, प्रभावशीलता और अंतरराष्ट्रीय अकादमिक जगत में उसकी स्वीकार्यता को भी महत्व दिया जाता है। ऐसे प्रतिष्ठित वैश्विक मंच पर विश्वविद्यालय के 12 शिक्षकों का स्थान प्राप्त करना संस्थान की बढ़ती शोध क्षमता, अकादमिक सक्रियता और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।



इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी चयनित शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शिक्षकों की यह अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि पूरे विश्वविद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। यह सफलता शोध, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की निरंतर प्रगति को दर्शाती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शिक्षकों की यह वैश्विक पहचान विद्यार्थियों एवं युवा शोधार्थियों को उत्कृष्ट शोध कार्य करने के लिए प्रेरित करेगी तथा विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

कुलपति ने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की वास्तविक पहचान उसके शिक्षकों की शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध उपलब्धियों और समाज के लिए किए गए ज्ञानपरक योगदान से स्थापित होती है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शिक्षकों की भागीदारी विश्वविद्यालय में विकसित हो रहे सकारात्मक शोध वातावरण और अकादमिक उत्कृष्टता का परिचायक है।

स्कॉलरली इंडेक्स की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में स्थान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. राजकुमार, प्रो. संदीप कुमार सिंह, प्रो. नूपुर गोयल, डॉ. मिथिलेश यादव, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. विक्रांत भोंजा, डॉ. आशीष वर्मा, डॉ. राम नरेश यादव, डॉ. दीपक कुमार भौर्य, डॉ. राम नारायण एवं डॉ. पारुल त्रिवेदी शामिल हैं।

विश्वविद्यालय के इन शिक्षकों की उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत अकादमिक एवं शोध कौशल का सम्मान है, बल्कि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की बढ़ती वैश्विक शैक्षणिक प्रतिष्ठा का भी प्रतीक है।

जलसंदेश टाइम्स

12 शिक्षकों ने अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बनाई जगह

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के लिए यह अत्यंत गौरव और हर्ष का विषय है कि विश्वविद्यालय परिसर के 12 शिक्षकों ने अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग संस्था स्कॉलरली इंडेक्स की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं शोध उत्कृष्टता को वैश्विक पहचान दिलाई है। यह उपलब्धि शिक्षकों के निरंतर शोध प्रयासों, अकादमिक प्रतिबद्धता और ज्ञान सृजन के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान का प्रमाण है।

स्कॉलरली इंडेक्स द्वारा जारी यह अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग शोधकर्ताओं के शोध प्रकाशनों, उद्धरणों, एच-इंडेक्स, डी-इंडेक्स तथा समग्र शोध प्रभाव जैसे महत्वपूर्ण मानकों के आधार पर निर्धारित की जाती है। इस रैंकिंग में न केवल शोध प्रकाशनों की संख्या, बल्कि शोध की गुणवत्ता, प्रासंगिकता, प्रभावशीलता और अंतरराष्ट्रीय अकादमिक जगत में उसकी स्वीकार्यता को भी महत्व दिया जाता है। ऐसे प्रतिष्ठित वैश्विक मंच पर



विश्वविद्यालय के 12 शिक्षकों का स्थान प्राप्त करना संस्थान की बढ़ती शोध क्षमता, अकादमिक सक्रियता और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी चयनित शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शिक्षकों की यह अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि पूरे विश्वविद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। यह सफलता शोध, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की निरंतर प्रगति को दर्शाती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शिक्षकों की यह वैश्विक पहचान विद्यार्थियों एवं युवा शोधार्थियों को उत्कृष्ट शोध कार्य करने के लिए प्रेरित करेगी तथा विवि को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कुलपति ने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की वास्तविक पहचान उसके शिक्षकों की शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध उपलब्धियों और समाज के लिए किए गए ज्ञानपरक योगदान से स्थापित होती है।स्कॉलरली इंडेक्स की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में स्थान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव. प्रो. राजकुमार, प्रो. संदीप कुमार सिंह, प्रो. नूपुर गोयल, डॉ. मिथिलेश यादव, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. विक्रांत भटेजा, डॉ. आशीष वर्मा, डॉ. राम नरेश यादव, डॉ. दीपक कुमार मौर्य, डॉ. राम नारायण एवं डॉ. पारुल त्रिवेदी शामिल हैं। विश्वविद्यालय के इन शिक्षकों की उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत अकादमिक एवं शोध कौशल का सम्मान है, बल्कि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की बढ़ती वैश्विक शैक्षणिक प्रतिष्ठा का भी प्रतीक है।

दआइडियल इंडिया

पीयू में सेवा मेरा योगदान के तहत नशामुक्ति एवं वृक्षारोपण अभियान

छात्रावास में चला स्वच्छता अभियान, विद्यार्थियों ने लिया परिसर में हरियाली का संकल्प

आइडियल इंडिया न्यूज
डा राजेश जैन, जौनपुर
जौनपुर ' वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल



विश्वविद्यालय, जौनपुर में सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम का आयोजन रविवार को किया गया। इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय के छात्रावास परिसर में स्वच्छता एवं वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर फलदार एवं अन्य उपयोगी पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में छात्रावास के विद्यार्थियों एवं छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान उन्हें स्वच्छता के महत्व, पर्यावरण संरक्षण तथा पौधों के रखरखाव के प्रति जागरूक किया गया। सेवा संकल्प अभियान के संयोजक व अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षों के प्रति जिम्मेदारी और सामाजिक सेवा की भावना विकसित करना रहा। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि विश्वविद्यालय को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाए रखना केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी एवं विश्वविद्यालय परिवार की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर श्रीनिवास रामानुजन छात्रावास में आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर ने सेवा मेरा योगदान अभियान के अंतर्गत छात्रावास परिसर में स्वच्छता एवं वृक्षारोपण के महत्व पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने स्वच्छ एवं हरित परिसर के निर्माण में विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता को महत्वपूर्ण बताया। इसी क्रम में चरक छात्रावास के विद्यार्थियों ने छात्रावास के बाहर वृक्षारोपण किया । इस अवसर पर चीफ वार्डन प्रो अविनाश पाथर्डीकर ने भी विद्यार्थियों को पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व को बताया। इसी क्रम में महिला छात्रावास में भी स्वच्छता एवं वृक्षारोपण के प्रति छात्राओं को जागरूक किया गया। चीफ वार्डन प्रो. अविनाश डी. पाथर्डीकर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छ वातावरण स्वस्थ जीवन के लिए आवश्यक है। इसी क्रम में विश्वकर्मा छात्रावास में नशा मुक्ति संकल्प और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया विद्यार्थियों ने नशा न करने का संकल्प लिया और उस पोस्टर के माध्यम से भी प्रदर्शित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने कहा कि सभी विद्यार्थियों को नशे और उसके दुष्प्रभाव की चर्चा और उससे दूर रहने की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं मुख्य कुलानुशासक प्रो अजय प्रताप सिंह ने कहा की नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, इसलिए हमें नशे से दूर रहना चाहिए। इस अवसर वार्डन डॉ सुशील कुमार, डॉ विशाल यादव, डॉ नितेश जायसवाल, डॉ सुनील यादव, डॉ. अमुत्यागी, डॉ. कृष्णा सिंह, डॉ. निमिषा यादव, डॉ. जया शुक्ला विद्यार्थियों के साथ उपस्थित रहें।

दआइडियल इंडिया

पीयू के 12 शिक्षकों ने अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बनाई जगह

आइडियल इंडिया न्यूज
डा राजेश जैन जौनपुर

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के लिए यह अत्यंत गौरव और हर्ष का विषय है कि विश्वविद्यालय परिसर के 12 शिक्षकों ने अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग संस्था स्कॉलरली इंडेक्स की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं शोध उत्कृष्टता को वैश्विक पहचान दिलाई है। यह उपलब्धि शिक्षकों के निरंतर शोध प्रयासों, अकादमिक प्रतिबद्धता और ज्ञान सृजन के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान का प्रमाण है। स्कॉलरली इंडेक्स द्वारा जारी यह अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग शोधकताओं के शोध प्रकाशनों, उद्धरणों, एच-इंडेक्स, डी-इंडेक्स तथा समग्र शोध प्रभाव जैसे महत्वपूर्ण मानकों के आधार पर निर्धारित की जाती है। इस रैंकिंग में न केवल शोध प्रकाशनों की संख्या, बल्कि शोध की गुणवत्ता, प्रासंगिकता, प्रभावशीलता और अंतरराष्ट्रीय अकादमिक जगत में उसकी स्वीकार्यता को भी महत्व दिया जाता है। ऐसे प्रतिष्ठित वैश्विक मंच पर विश्वविद्यालय के 12 शिक्षकों का स्थान प्राप्त करना संस्थान की बढ़ती शोध क्षमता, अकादमिक सक्रियता और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी चयनित शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शिक्षकों की यह अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि पूरे विश्वविद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। यह सफलता शोध, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की निरंतर प्रगति को दर्शाती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शिक्षकों की यह वैश्विक पहचान विद्यार्थियों एवं युवा शोधार्थियों को उत्कृष्ट शोध कार्य करने के लिए प्रेरित करेगी तथा विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कुलपति ने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की वास्तविक पहचान उसके शिक्षकों की शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध उपलब्धियों और समाज के लिए किए गए ज्ञानपरक योगदान से स्थापित होती है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शिक्षकों की भागीदारी विश्वविद्यालय में विकसित हो रहे सकारात्मक शोध वातावरण और अकादमिक उत्कृष्टता का परिचायक है। स्कॉलरली इंडेक्स की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में स्थान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. राजकुमार, प्रो. संदीप कुमार सिंह, प्रो. नूपुर गोयल, डॉ. मिथिलेश यादव, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. विक्रांत भटेजा, डॉ. आशीष वर्मा, डॉ. राम नरेश यादव, डॉ. दीपक कुमार मौर्य, डॉ. राम नारायण एवं डॉ. पारुल त्रिवेदी शामिल हैं। विश्वविद्यालय के इन शिक्षकों की उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत अकादमिक एवं शोध कौशल का सम्मान है, बल्कि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की बढ़ती वैश्विक शैक्षणिक प्रतिष्ठा का भी प्रतीक है।

लोक भारती

नशामुक्ति और वृक्षारोपण अभियान चलाया

लोकभारती न्यूज ब्यूरो

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय में 'सेवा संकल्प अभियान ' के अंतर्गत 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम का आयोजन रविवार को किया गया। इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय के छात्रावास परिसर में स्वच्छता एवं वृक्षारोपण अभियान चलाया गया।

कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर फलदार एवं अन्य उपयोगी पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में छात्रावास के विद्यार्थियों एवं छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान उन्हें स्वच्छता के महत्व, पर्यावरण संरक्षण तथा पौधों के रखरखाव के प्रति जागरूक किया गया। प्रोफेसर प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षों के प्रति जिम्मेदारी और सामाजिक सेवा की भावना विकसित करना रहा। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि विश्वविद्यालय को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाए रखना केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी एवं विश्वविद्यालय परिवार की सामूहिक जिम्मेदारी है।

चरक छात्रावास के विद्यार्थियों ने छात्रावास के बाहर वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर चीफ वार्डन प्रो अविनाश पाथर्डीकर ने भी विद्यार्थियों को पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व को बताया। इसी क्रम में महिला छात्रावास में भी स्वच्छता एवं वृक्षारोपण के प्रति छात्राओं को जागरूक किया गया। वार्डन डॉ सुशील कुमार, डॉ विशाल यादव, डॉ नितेश जायसवाल, डॉ सुनील यादव, डॉ. अनु त्यागी, डॉ. कृष्णा सिंह, डॉ. निमिषा यादव, डॉ. जया शुक्ला विद्यार्थियों के साथ उपस्थित रहें।

लोक भारती

जौनपुर/अम्बेडकर नगर

विवि के 12 शिक्षकों ने अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बनाई जगह

लोकभारती न्यूज ब्यूरो

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय, परिसर के 12 शिक्षकों ने अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग संस्था स्कॉलरली इंडेक्स की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं शोध उत्कृष्टता को वैश्विक पहचान दिलाई है।

स्कॉलरली इंडेक्स द्वारा जारी यह अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग शोधकर्ताओं के शोध प्रकाशनों, उद्धरणों, एच-इंडेक्स, डी-इंडेक्स तथा समग्र शोध प्रभाव जैसे महत्वपूर्ण मानकों के आधार पर निर्धारित की जाती है। इस रैंकिंग में न केवल शोध प्रकाशनों की संख्या, बल्कि शोध की गुणवत्ता, प्रासंगिकता, प्रभावशीलता और अंतरराष्ट्रीय अकादमिक जगत में उसकी स्वीकार्यता को भी महत्व दिया जाता है।

ऐसे प्रतिष्ठित वैश्विक मंच पर विश्वविद्यालय के 12 शिक्षकों का स्थान प्राप्त करना संस्थान की बढ़ती शोध क्षमता, अकादमिक सक्रियता और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के शिक्षकों की यह अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि पूरे विश्वविद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। यह सफलता शोध, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की निरंतर प्रगति को दर्शाती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शिक्षकों की यह वैश्विक पहचान विद्यार्थियों एवं युवा शोधार्थियों को उत्कृष्ट शोध कार्य करने के लिए प्रेरित करेगी तथा विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

उत्तरशक्ति

पीयू में 'सेवा मेरा योगदान' के तहत नशामुक्ति एवं वृक्षारोपण अभियान

छात्रावास में चला स्वच्छता अभियान, विद्यार्थियों ने लिया परिसर में हरियाली का संकल्प





जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में 'सेवा संकल्प अभियान-2026' के अंतर्गत 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम का आयोजन रविवार को किया गया। इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय के छात्रावास परिसर में स्वच्छता एवं वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर फलदार एवं अन्य उपयोगी पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में छात्रावास के विद्यार्थियों एवं छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान उन्हें स्वच्छता के महत्व, पर्यावरण संरक्षण तथा पौधों के रखरखाव के प्रति जागरूक किया गया।

सेवा संकल्प अभियान के संयोजक व अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षों के प्रति जिम्मेदारी और सामाजिक सेवा की भावना विकसित करना रहा। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि विश्वविद्यालय को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाए रखना केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी एवं विश्वविद्यालय परिवार की सामूहिक जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर श्रीनिवास रामानुजन छात्रावास में आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर ने 'सेवा मेरा योगदान' अभियान के अंतर्गत छात्रावास परिसर में स्वच्छता एवं वृक्षारोपण के महत्व पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने स्वच्छ एवं हरित परिसर के निर्माण में विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता को महत्वपूर्ण बताया।

इसी क्रम में चरक छात्रावास के विद्यार्थियों ने छात्रावास के बाहर वृक्षारोपण किया । इस अवसर पर चीफ वार्डन प्रो अविनाश पाथर्डीकर ने भी विद्यार्थियों को पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व को बताया। इसी क्रम में महिला छात्रावास में भी स्वच्छता एवं वृक्षारोपण के प्रति छात्राओं को जागरूक किया गया।

चीफ वार्डन प्रो. अविनाश डी. पाथर्डीकर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छ वातावरण स्वस्थ जीवन के लिए आवश्यक है।

इसी क्रम में विश्वकर्मा छात्रावास में नशा मुक्ति संकल्प और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया विद्यार्थियों ने नशा न करने का संकल्प लिया और उस पोस्टर के माध्यम से भी प्रदर्शित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने कहा कि सभी विद्यार्थियों को नशे और उसके दुष्प्रभाव की चर्चा और उससे दूर रहने की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं मुख्य कुलानुशासक प्रो अजय प्रताप सिंह ने कहा की नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, इसलिए हमें नशे से दूर रहना चाहिए।

इस अवसर वार्डन डॉ.सुशील कुमार, डॉ.विशाल यादव, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ.सुनील यादव, डॉ. अनु त्यागी, डॉ. कृष्णा सिंह, डॉ. निमिषा यादव, डॉ. जया शुक्ला विद्यार्थियों के साथ उपस्थित रहें।

खबर कोश

पीयू में 'सेवा मेरा योगदान' के तहत नशामुक्ति एवं वृक्षारोपण अभियान

छात्रावास में चला स्वच्छता अभियान, विद्यार्थियों ने लिया परिसर में हरियाली का संकल्प

खबर कोश

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम का आयोजन रविवार को किया गया। इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय के छात्रावास परिसर में स्वच्छता एवं वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर फलदार एवं अन्य उपयोगी पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में छात्रावास के विद्यार्थियों एवं छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान उन्हें स्वच्छता के महत्व, पर्यावरण संरक्षण तथा पौधों के रखरखाव के प्रति जागरूक किया गया।



सेवा संकल्प अभियान के संयोजक व अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षों के प्रति जिम्मेदारी और सामाजिक सेवा की भावना विकसित करना रहा। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि विश्वविद्यालय को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाए रखना केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी एवं विश्वविद्यालय परिवार की सामूहिक जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर श्रीनिवास रामानुजन छात्रावास में आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर ने सेवा मेरा योगदान अभियान के अंतर्गत छात्रावास परिसर में स्वच्छता एवं वृक्षारोपण के महत्व पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने स्वच्छ एवं हरित परिसर के निर्माण में विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता को महत्वपूर्ण बताया।

इसी क्रम में चरक छात्रावास के विद्यार्थियों ने छात्रावास के बाहर वृक्षारोपण किया । इस अवसर पर चीफ वार्डन प्रो अविनाश पाथर्डीकर ने भी विद्यार्थियों को पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व को बताया। इसी क्रम में महिला छात्रावास में भी स्वच्छता एवं वृक्षारोपण के प्रति छात्राओं को जागरूक किया गया।



चीफ वार्डन प्रो. अविनाश डी. पाथर्डीकर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छ वातावरण स्वस्थ जीवन के लिए आवश्यक है।

इसी क्रम में विश्वकर्मा छात्रावास में नशा मुक्ति संकल्प और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया विद्यार्थियों ने नशा न करने का संकल्प लिया और उस पोस्टर के माध्यम से भी प्रदर्शित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने कहा कि सभी विद्यार्थियों को नशे और उसके दुष्प्रभाव की चर्चा और उससे दूर रहने की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं मुख्य कुलानुशासक प्रो अजय प्रताप सिंह ने कहा की नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, इसलिए हमें नशे से दूर रहना चाहिए।



इस अवसर वार्डन डॉ सुशील कुमार, डॉ विशाल यादव, डॉ नितेश जायसवाल, डॉ सुनील यादव, डॉ. अनु त्यागी, डॉ. कृष्णा सिंह, डॉ. निभिषा यादव, डॉ. जया शुक्ला विद्यार्थियों के साथ उपस्थित रहें।

पीयू के 12 शिक्षकों ने अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बनाई जगह

स्कॉलरली इंडेक्स की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में शामिल हुए 12 शिक्षक

शोध एवं अकादमिक उत्कृष्टता का वैश्विक सम्मान, कुलपति ने दी बधाई

खबर कोश

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के लिए यह अत्यंत गौरव और हर्ष का विषय है कि विश्वविद्यालय परिसर के 12 शिक्षकों ने अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग संस्था स्कॉलरली इंडेक्स की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं शोध उत्कृष्टता को वैश्विक पहचान दिलाई है। यह उपलब्धि शिक्षकों के निरंतर शोध प्रयासों, अकादमिक प्रतिबद्धता और ज्ञान सृजन के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान का प्रमाण है।

स्कॉलरली इंडेक्स द्वारा जारी यह अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग शोधकर्ताओं के शोध प्रकाशनों, उद्धरणों, एच-इंडेक्स, जी-इंडेक्स तथा समग्र शोध प्रभाव जैसे महत्वपूर्ण मानकों के आधार पर निर्धारित की जाती है। इस रैंकिंग में न केवल शोध प्रकाशनों की संख्या, बल्कि शोध की गुणवत्ता, प्रासंगिकता, प्रभावशीलता और अंतरराष्ट्रीय अकादमिक जगत में उसकी स्वीकार्यता को भी महत्व दिया जाता है। ऐसे प्रतिष्ठित वैश्विक मंच पर विश्वविद्यालय के 12 शिक्षकों का स्थान प्राप्त करना संस्थान की बढ़ती शोध क्षमता, अकादमिक सक्रियता और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।



इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी चयनित शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शिक्षकों की यह अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि पूरे विश्वविद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। यह सफलता शोध, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की निरंतर प्रगति को दर्शाती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शिक्षकों की यह वैश्विक पहचान विद्यार्थियों एवं युवा शोधार्थियों को उत्कृष्ट शोध कार्य करने के लिए प्रेरित करेगी तथा विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

कुलपति ने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की वास्तविक पहचान उसके शिक्षकों की शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध उपलब्धियों और समाज के लिए किए गए ज्ञानपरक योगदान से स्थापित होती है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शिक्षकों की भागीदारी विश्वविद्यालय में विकसित हो रहे सकारात्मक शोध वातावरण और अकादमिक उत्कृष्टता का परिचायक है।

स्कॉलरली इंडेक्स की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में स्थान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. राजकुमार, प्रो. संदीप कुमार सिंह, प्रो. नुपुर गोयल, डॉ. मिथिलेश यादव, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. विक्रांत भटेजा, डॉ. आशीष वर्मा, डॉ. राम नरेश यादव, डॉ. दीपक कुमार मौर्य, डॉ. राम नारायण एवं डॉ. पारुल त्रिवेदी शामिल हैं।

विश्वविद्यालय के इन शिक्षकों की उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत अकादमिक एवं शोध कौशल का सम्मान है, बल्कि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की बढ़ती वैश्विक शैक्षणिक प्रतिष्ठा का भी प्रतीक है।

न्यूजफ्लिक्स टाइम्स

पीयू में 'सेवा मेरा योगदान' के तहत नशामुक्ति एवं वृक्षारोपण अभियान

छात्रावास में चला स्वच्छता अभियान, विद्यार्थियों ने लिया परिसर में हरियाली का संकल्प

न्यूजफ्लिक्स टाइम्स

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम का आयोजन रविवार को किया गया। इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय के छात्रावास परिसर में स्वच्छता एवं वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर फलदार एवं अन्य उपयोगी पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में छात्रावास के विद्यार्थियों एवं छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान उन्हें स्वच्छता के महत्व, पर्यावरण संरक्षण तथा पौधों के रखरखाव के प्रति जागरूक किया गया।







सेवा संकल्प अभियान के संयोजक व अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षों के प्रति जिम्मेदारी और सामाजिक सेवा की भावना विकसित करना रहा। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि विश्वविद्यालय को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाए रखना केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी एवं विश्वविद्यालय परिवार की सामूहिक जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर श्रीनिवास रामानुजन छात्रावास में आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर ने सेवा मेरा योगदान अभियान के अंतर्गत छात्रावास परिसर में स्वच्छता एवं वृक्षारोपण के महत्व पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने स्वच्छ एवं हरित परिसर के निर्माण में विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता को महत्वपूर्ण बताया।

इसी क्रम में चरक छात्रावास के विद्यार्थियों ने छात्रावास के बाहर वृक्षारोपण किया । इस अवसर पर चीफ वार्डन प्रो अविनाश पाथडीकर ने भी विद्यार्थियों को पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व को बताया। इसी क्रम में महिला छात्रावास में भी स्वच्छता एवं वृक्षारोपण के प्रति छात्राओं को जागरूक किया गया।

चीफ वार्डन प्रो. अविनाश डी. पाथडीकर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छ वातावरण स्वस्थ जीवन के लिए आवश्यक है।

इसी क्रम में विश्वकर्मा छात्रावास में नशा मुक्ति संकल्प और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया विद्यार्थियों ने नशा न करने का संकल्प लिया और उस पोस्टर के माध्यम से भी प्रदर्शित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने कहा कि सभी विद्यार्थियों को नशे और उसके दुष्प्रभाव की चर्चा और उससे दूर रहने की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं मुख्य कुलानुशासक प्रो अजय प्रताप सिंह ने कहा की नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, इसलिए हमें नशे से दूर रहना चाहिए।

इस अवसर वार्डन डॉ सुशील कुमार, डॉ विशाल यादव, डॉ नितेश जायसवाल, डॉ सुनील यादव, डॉ. अनु त्यागी, डॉ. कृष्णा सिंह, डॉ. निमिषा यादव, डॉ. जया शुक्ला विद्यार्थियों के साथ उपस्थित रहें।

पीयू के 12 शिक्षकों ने अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बनाई जगह

स्कॉलरली इंडेक्स की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में शामिल हुए 12 शिक्षक

शोध एवं अकादमिक उत्कृष्टता का वैश्विक सम्मान, कुलपति ने दी बधाई

न्यूजफ्लिक्स टाइम्स

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के लिए यह अत्यंत गौरव और हर्ष का विषय है कि विश्वविद्यालय परिसर के 12 शिक्षकों ने अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग संस्था स्कॉलरली इंडेक्स की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं शोध उत्कृष्टता को वैश्विक पहचान दिलाई है। यह उपलब्धि शिक्षकों के निरंतर शोध प्रयासों, अकादमिक प्रतिबद्धता और ज्ञान सृजन के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान का प्रमाण है।

स्कॉलरली इंडेक्स द्वारा जारी यह अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग शोधकर्ताओं के शोध प्रकाशनों, उद्धरणों, एच-इंडेक्स, जी-इंडेक्स तथा समग्र शोध प्रभाव जैसे महत्वपूर्ण मानकों के आधार पर निर्धारित की जाती है। इस रैंकिंग में न केवल शोध प्रकाशनों की संख्या, बल्कि शोध की गुणवत्ता, प्रासंगिकता, प्रभावशीलता और अंतरराष्ट्रीय अकादमिक जगत में उसकी स्वीकार्यता को भी महत्व दिया जाता है। ऐसे प्रतिष्ठित वैश्विक मंच पर विश्वविद्यालय के 12 शिक्षकों का स्थान प्राप्त करना संस्थान की बढ़ती शोध क्षमता, अकादमिक सक्रियता और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।



इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी चयनित शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शिक्षकों की यह अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि पूरे विश्वविद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। यह सफलता शोध, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की निरंतर प्रगति को दर्शाती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शिक्षकों की यह वैश्विक पहचान विद्यार्थियों एवं युवा शोधार्थियों को उत्कृष्ट शोध कार्य करने के लिए प्रेरित करेगी तथा विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

कुलपति ने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की वास्तविक पहचान उसके शिक्षकों की शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध उपलब्धियों और समाज के लिए किए गए ज्ञानपरक योगदान से स्थापित होती है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शिक्षकों की भागीदारी विश्वविद्यालय में विकसित हो रहे सकारात्मक शोध वातावरण और अकादमिक उत्कृष्टता का परिचायक है।

स्कॉलरली इंडेक्स की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में स्थान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. राजकुमार, प्रो. संदीप कुमार सिंह, प्रो. नूपुर गोयल, डॉ. मिथिलेश यादव, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. विक्रांत भटेजा, डॉ. आशीष वर्मा, डॉ. राम नरेश यादव, डॉ. दीपक कुमार मौर्य, डॉ. राम नारायण एवं डॉ. पारुल त्रिवेदी शामिल हैं।

विश्वविद्यालय के इन शिक्षकों की उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत अकादमिक एवं शोध कौशल का सम्मान है, बल्कि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की बढ़ती वैश्विक शैक्षणिक प्रतिष्ठा का भी प्रतीक है।